जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 131 प्रभात कोटा, सोमवार 23 फरवरी, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सात हवाई हमले किए, 16 नागरिकों की मौत

तालिबान सरकार ने उचित समय पर जरूरी व सधी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी

- पाकिस्तान का दावा है कि उसने अफगानिस्तान सीमा के भीतर सात आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए
- अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार फाउण्डेशन के हवाले से कहा गया है कि अफगानिस्तान के बेहसुर जिले में हवाई हमले में एक ही परिवार के 16 नागरिकों की मृत्यु हुई, जिनमें एक वर्ष का बच्चा तथा 80 वर्ष का बुजुर्ग भी था।

इस्लामाबाद, 22 फरवरी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू इलाके में हुए फिदायीन हमले के बाद पाकिस्तान ने रविवार को अफगान सीमा के भीतर सात आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। इस कार्रवाई पर अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कड़ी आपत्ति जताते हुए उचित समय पर जरूरी और सधी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार फाउंडेशन (आईएचआरएफ) के हवाले से दावा किया गया है कि रमजान के महीने में हुए इन हमलों में अफगानिस्तान के बेहसुद जिले में एक ही परिवार के 16 नागरिकों की मौत हुई है।मृतकों में एक वर्ष का बच्चा और 80 वर्षीय बुजुर्ग भी शामिल बताए गए हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

अफगानिस्तान के निजी समाचार चैनल टोलो न्यूज के अनुसार पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने नांगरहार प्रांत के खोग्यानी और गनी खेल जिलों तथा पतिका प्रांत के बेरमल और अर्गुन जिलों में कई ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल पाकिस्तान विरोधी आतंकवादी गतिविधियों के लिए न होने दे।

वहीं, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि ये हमले देश की संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का उल्लंघन हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान की धरती से पाकिस्तान के खिलाफ आतंकी हमलों का संचालन नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि शनिवार को खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू में हुए आत्मघाती हमले में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल और एक सिपाही की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के हमलों के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद तथा बन्नू और बाजौर में हुए हमलों के पीछे ख्वारिज समूह का हाथ बताया गया है। पाकिस्तान का आरोप है कि इन हमलों में अफगानिस्तान में मौजूद संचालकों का सहयोग था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक दाएश खुरासान प्रांत (डीकेपी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। पाकिस्तान का कहना है कि अफगानिस्तान में सक्रिय तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), जिसे वह फितना अल ख्वारिज कहता है, और इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से जुड़े तत्व सीमा पार से हमलों में शामिल रहे हैं।

दोनों देशों के बीच सीमा पार आतंकी गतिविधियों को लेकर लंबे समय से अविश्वास बना हुआ है। पिछले वर्ष अक्टूबर में सीमा पर हुए सैन्य संघर्ष में 23 पाकिस्तानी सैनिकों और करीब 200 अफगान तालिबान लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया था।

अजित पवार के प्लेन क्रैश की रिपोर्ट 28 को आएगी

मुंबई, 22 फरवरी। केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री और पुणे के सांसद मुरलीधर मोहोल ने रविवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार की जान लेने वाले विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट 28 फरवरी को या उससे पहले जारी की जाएगी। पवार और चार अन्य लोगों की 28 जनवरी को बारामती हवाई अड्डे के निकट एक विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यहां एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए मोहोल ने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट घटना के दिन से एक महीने के भीतर, 28 फरवरी को या उससे पहले जारी कर दी जाएगी।

- इस विमान दुर्घटना पर विपक्ष की ओर से सवाल उठते रहे हैं।

इस घटना को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और शरद पवार के भतीजे रोहित पवार ने कई संवाददाता सम्मेलन कर विमान कंपनी से जुड़ी कुछ अनियमितताओं और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों का दावा किया था। उन्होंने साजिश की भी आशंका जताई थी। कर्जत-जामखेड के विधायक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की कि दुर्घटना की जांच पूरी होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश को पुलिस ने नाकाम किया, 8 गिरफ्तार

नौ दिन के गोपनीय ऑपरेशन के बाद स्पेशल सैल ने कोलकाता व तमिलनाडु में इन आतंकियों को पकड़ा

- पुलिस के अनुसार, बांग्लादेश में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के निर्देश पर यह मॉड्यूल भारत में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहा था। इसके लिए कई राज्यों में भीड़भाड़ वाले स्थानों की रैकी की गई थी।

नई दिल्ली, 22 फरवरी। देश में पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की बड़ी साजिश को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने नाकाम कर दिया है। करीब 9 दिन गुपचुप तरीके से चले ऑपरेशन के बाद स्पेशल सेल ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े बड़े मॉड्यूल का खुलासा करने का दावा किया है। टीम ने कोलकाता और तमिलनाडु में छापेमारी कर 7 बांग्लादेशी समेत कुल 8 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। तमिलनाडु में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों को लेकर पुलिस टीम दिल्ली के लिए रवाना हो गई है जिसके सोमवार को पहुंचने की उम्मीद है।

दावा किया गया है कि बांग्लादेश में बैठे लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के निर्देश पर यह मॉड्यूल भारत में बड़े आतंकी हमले की योजना बना रहा था। इसके लिए कई राज्यों में भीड़भाड़ वाले स्थानों की रेकी की गई थी। आरोपियों के पास से बरामद मोबाइल फोन में इसके वीडियो मिले हैं। समय रहते मॉड्यूल के खुलासे से बड़ा आतंकी हमला टल गया है।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा निवासी उमर फारूक, बांग्लादेशी नागरिक रबि-उल-इस्लाम, मो. लिटन, मो. मिजानुर रहमान, मो. उज्जाल, मो. जहीदुल इस्लाम, उमर और सैफायत होसेन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 12 मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए हैं। इनसे पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने रविवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर बताया कि मॉड्यूल का खुलासा 7 फरवरी को दिल्ली में लगे देश विरोधी पोस्टर से हुआ। कुछ लोगों ने कश्मीरी गेट बस अड्डा और मेट्रो स्टेशन के पास देश-विरोधी पोस्टर लगा दिए। सीआईएसएफ के जवानों ने इन्हें देखकर मेट्रो पुलिस को खबर दी। मेट्रो पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की।

जांच के दौरान पोस्टर लगाने वाले आरोपितों के आने-जाने के रूट का मेट्रो पुलिस ने पता लगा लिया। आरोपी पोस्टर लगाने के बाद कोलकाता भाग गए। बाद में 13 फरवरी को केस को स्पेशल सेल को ट्रांसफर कर दिया गया। जिसके बाद टीम फौरन कोलकाता पहुंची। वहां स्थानीय पुलिस के सहयोग से स्पेशल सेल की टीम ने उमर फारूक और रबि-उल-इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि इन लोगों ने बांग्लादेश में बैठे लश्कर के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन के इशारे पर पोस्टर लगाए थे। लश्कर के इशारे पर भारत के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीएमके व कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा निर्णायक दौर में

मुख्यमंत्री स्टालिन व कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल की मुलाकात में स्थिति स्पष्ट होने के आसार

- डीएमके महासचिव दुरैमुरुगन ने पार्टी कोषाध्यक्ष टी.आर. बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति बनाई है, जो गठबंधन के सभी सहयोगी दलों से वार्ता कर रही है।

चेन्नई, 22 फरवरी। तमिलनाडु के आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच राजनीतिक दलों ने उम्मीदवार तय करने, गठबंधन को मजबूत करने और सीट वितरण को अंतिम रूप देने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कझगम (एआईएडीएमके) ने अपने गठबंधन का ढ ांचा लगभग तैयार कर दिया है, जबकि छोटे दल आने वाले दिनों में अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे।

मुख्यमंत्री और डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करेंगे। वेणुगोपाल दिल्ली से पहुंच रहे हैं। उनके साथ तमिलनाडु कांग्रेस समिति (टीएनसीसी) अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गिरीश चोडणकर भी मौजूद रहेंगे।

इस बैठक का फोकस डीएमके और कांग्रेस की सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने पर होगा, जो कि राज्य में डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के हिस्से के रूप में है। कांग्रेस डीएमके की मुख्य सहयोगी है। उसने पिछले साल नवंबर में सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए गिरीश चोडणकर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय समिति बनाई थी। करीब तीन महीने तक पार्टी डीएमके से अपनी वार्ता समिति बनाने का आग्रह करती रही। डीएमके के महासचिव दुरैमुरुगन ने हाल ही में पार्टी कोषाध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री टीआर बालू की अध्यक्षता में सात सदस्यीय सीट बंटवारा समिति की घोषणा की, जो गठबंधन सहयोगियों के साथ बातचीत करेगी। इस समिति ने पहले ही इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के साथ बातचीत शुरू कर दी है। आईयूएमएल के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को शुरुआती बैठक के लिए डीएमके समिति से मुलाकात की।

25 लाख के ईनामी नक्सली ने सरेंडर किया

जगदलपुर, 22 फरवरी। नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो सदस्य और केंद्रीय समिति के सदस्य 25 लाख के इनामी देवजी ने अपने 16 नक्सली साथियों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुष्टि करते हुए कहा कि बाकी बचे सभी नक्सलियों का भी जल्द ही आत्मसमर्पण करवाया जाएगा।

- देवजी लंबे समय से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय था तथा आठ माह पूर्व ही उसे संगठन का महासचिव बनाया गया था।

नक्सली देवजी मूल रूप से करीमनगर जिले का निवासी है और लंबे समय से नक्सली संगठन की केंद्रीय गतिविधियों में सक्रिय था। करीब आठ महीने पहले ही उसे संगठन का महासचिव बनाया गया था।

नक्सली संगठन के पोलित ब्यूरो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एआई समिट में कांग्रेसियों का कपड़े उतार प्रदर्शन शर्मनाक था- मोदी

प्रधानमंत्री ने मेरठ मैट्रो रेल तथा दिल्ली गाजियाबाद मेरठ नमो कॉरिडोर का उद्घाटन किया

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि गांव में शादी होती है तो पूरा गांव जुट जाता है, लेकिन कांग्रेस अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है।

मेरठ/लखनऊ , 22 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस जहरीली और देश विरोधी राजनीति कर रही है। कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है। नई दिल्ली में एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के कपड़े उतार कर प्रदर्शन करने की घटना को शर्मनाक बताते हुए मोदी ने कहा कि मैं कांग्रेस वालों से पूछता हूं कि देश तो जानता है कि आप पहले से ही नंगे हो, फिर कपड़े उतारने की जरूरत क्या पड़ी।

रविवार को मेरठ में मेट्रो रेल और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक तरफ देशवासी भारत को विकसित बनाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन देश में ही कुछ राजनीतिक दल भारत की सफलता को पचा नहीं पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में मेरठ के लोगों से पूछा कि एआई समिट से गर्व हुआ है या नहीं, सीना चौड़ा हुआ है, युवाओं का भाग्य बदलने के लिए यह आयोजन हुआ है। इस पर सभा में मोदी -मोदी के नारे लगने लगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस आयोजन से पूरा देश गर्व से भर गया लेकिन कांग्रेस ने भारत के एक वैश्विक आयोजन को अपनी नंगी और गंदी राजनीति का अखाड़ा बना दिया। समारोह स्थल पर विदेशी अतिथियों के सामने कांग्रेस के नेता कपड़े उतार कर पहुंच गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने नेताओं ने समिट में जो कुछ किया वह दिखाता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कितनी दिवालिया और कितनी दरिद्र हो गई है। कांग्रेस तो अपने ही देश को बदनाम करने में जुटी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांव में शादी होती है तो पूरा गांव जुटा जाता है लेकिन कांग्रेस को अपने देश को ही बदनाम करने में जुटी है। कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि एआई समिट भाजपा का आयोजन नहीं था और न ही वहां भाजपा का नेता था। यह देश के लोगों का कार्यक्रम था, लेकिन कांग्रेस ने सारी मर्यादाएं तोड़ी और अब देशभर में कांग्रेस की थू थू हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके बावजूद कांग्रेस के नेता बेशर्मी के साथ देश का अपमान करने वालों की जय जयकार कर रहे हैं और मीडिया इस घटनाक्रम में पूरे विपक्ष का नाम लेता है जबकि कांग्रेस के नंगेपन में टीएमसी, बीएसपी नहीं थे सिर्फ कांग्रेस थी। यह कांग्रेस की यह हरकतें लगातार हो रही हैं। लोकसभा नहीं चलने दे रहे हैं और माताओं- बहनों को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करने भेजते हैं। अगर प्रधानमंत्री बनना है तो लोगों का दिल जीतिए। प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कब्जा करके नहीं बन पाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस अब देश पर बोझ बन चुकी है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी ने दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के बाकी हिस्से और मेरठ मेट्रो का उद्घाटन किया। मेट्रो में सफर कर छात्रों, युवाओं से बातचीत की। रैपिड सेवा शुरू होने से मेरठ और दिल्ली के बीच यात्रा का समय काफी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती

मुंबई, 22 फरवरी। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार की रविवार को फिर से तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें पुणे के रुबी हॉल क्लिनिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शरद पवार अगले दो दिन तक इसी हॉस्पिटल में रहेंगे।

अस्पताल के डॉक्टर ने बताया कि शरद पवार को उल्टी की वजह से डीहाइड्रेशन हो गया है। इसलिए अगले दो दिन तक वे इसी हॉस्पिटल में रहकर इलाज करवाएंगे। शरद पवार की तबीयत अब पूरी तरह से स्थिर और ठीक है।

शरद पवार की बेटी और सांसद

- डॉक्टर के अनुसार, उल्टी होने के कारण डीहाइड्रेशन हो गया था।

सुप्रिया सुले ने बताया कि शरद पवार को आज अचानक उल्टी हुई, जिससे वे असहज महसूस करने लगे। इसके बाद तत्काल रुबी हॉल क्लिनिक के डॉक्टरों को बुलाया गया। डॉक्टरों की सलाह पर शरद पवार को फिर से अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं को अस्पताल में न आने की अपील की है।

शरद पवार को हाल ही में रुबी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। इसी अस्पताल से 14 फरवरी को शरद पवार को डिस्चार्ज किया गया था।

ट्रेड डील की बैठक पर ब्रेक, भारत के व्यापारिक दल की वॉशिंगटन यात्रा स्थगित

भारत-अमेरिकी अंतरिम समझौता अप्रेल से लागू होना था, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद असमंजस फैला

- भारत सरकार अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले तथा अमेरिका की नई घोषणाओं के असर का गहराई से अध्ययन कर रही है। भारतीय दल के वॉशिंगटन दौरे का कार्यक्रम अमेरिकी अधिकारियों से बात होने के बाद तय किया जाएगा।

वॉशिंगटन डीसी, 22 फरवरी।भारत ने इस हफ्ते वॉशिंगटन भेजने वाला अपने व्यापारिक दल का दौरा अचानक टाल दिया है। व्यापार मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद टैरिफ को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता इसका मुख्य कारण है।

गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए कुछ टैरिफ को खारिज कर दिया था। इसके ठीक एक दिन बाद शनिवार को ट्रंप ने सभी देशों से आने वाले अमेरिकी आयात पर 15 फीसदी का अस्थायी टैरिफ लगा दिया। यह कानून के तहत सबसे ज्यादा सीमा है।

सूत्र ने कहा, दोनों देशों के अधिकारियों के बीच बात होने के बाद ही यह फैसला लिया गया। अभी नई तारीख तय नहीं हुई है। प्रतिनिधिमंडल रविवार को ही रवाना होने वाला था, जहां अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही थी।

इस समझौते में अमेरिका भारत के निर्यात पर 50 फीसदी के भारी टैरिफ को घटाकर 18 फीसदी करने को तैयार था। इस 50 फीसदी में से 25 फीसदी टैरिफ इसलिए लगे थे क्योंकि भारत रूस से तेल खरीद रहा था। बदले में भारत ने पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदने का वादा किया था। इनमें एनर्जी प्रोडक्ट, विमान और उनके पार्ट्स, कीमती धातुएं और टेक्नोलॉजी से जुड़े सामान शामिल हैं।

कांग्रेस पार्टी ने इस अंतरिम समझौते पर रोक लगाने की मांग की है। पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि कोर्ट के फैसले से पहले ही संयुक्त बयान क्यों जारी कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब समझौते को फिर से बातचीत करके बेहतर तरीके से तय करना चाहिए। शनिवार को ही भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि कोर्ट के फैसले और अमेरिका की नई घोषणाओं के असर का गहराई से अध्ययन किया जा रहा है।

पिछले हफ्ते वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा था कि बाकी मुद्दे सुलझ जाने पर अप्रैल से यह अंतरिम समझौता लागू हो सकता है। अब कोर्ट के फैसले और नए टैरिफ के बाद स्थिति बदल गई है।

ट्रंप पर फिर हमले की साजिश

वाशिंगटन, 22 फरवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक बार फिर हमले की साजिश सामने आई है। उनके फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो रिजॉर्ट के सुरक्षा घेरे में एक शख्स हथियार लेकर घुस गया। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने हथियारबंद व्यक्ति को मार गिराया। अमेरिकी खुफिया विभाग के अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि

- रिसॉर्ट में गन लेकर घुसा शख्स, सुरक्षाकर्मियों ने किया ढेर।

ट्रंप आमतौर पर अपना वीकेंड मार-ए-लागो रिजॉर्ट में गुजारते हैं, लेकिन शनिवार रात को घटना के समय वह वाइट हाउस में थे। अधिकारियों ने बताया कि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप भी घटना के समय राष्ट्रपति के साथ वाइट हाउस में थीं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दो बेटों ने जमीन विवाद में पिता की हत्या की

जयपुर, 22 फरवरी। जयपुर ग्रामीण जिले के रेनवाल थाना इलाके के गुमानपुरा गांव में जमीन विवाद के चलते दो बेटों द्वारा अपने ही पिता की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या करने

- घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

का मामला सामने आया है। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार मृतक अपने खेत की जमीन बेचने पर विचार कर रहे थे। इसी बात को लेकर उनके दोनों बेटे शंकर सिंह और अमर सिंह नाराज चल रहे थे। परिवार में पिछले कुछ दिनों से इसी मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई थी। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन भी पिता और दोनों बेटों के बीच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)